

खबर संक्षेप

1 से 7 जून की जा रही स्वास्थ्य व पर्यावरण जागरूकता गतिविधियां

सीहोर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 2 जून को मनाए जाने वाले हीट एक्शन डे तथा 5 जून को मनाए जाने वाले विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 1 जून से 7 जून तक जिले में विभिन्न जनजागरूकता, स्वास्थ्य सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। हीटवेव के दृष्टिगत आमजन को हीट रिलेटेड बीमारियों से बचाव, समय पर पहचान एवं उपचार संबंधी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में विशेष जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को स्वास्थ्य संस्थानों में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वयंसेवी संस्थाओं एवं सामुदायिक संगठनों से जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण एवं हीट वेव से बचाव संबंधी जनजागरूकता गतिविधियां संचालित करने की अपील की गई है। इसके साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि अत्यधिक गर्मी के दौरान वे पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, अनावश्यक धूप में न निकलें और प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करें।

जैविक खेती और योजनाओं की किसानों को देना थी जानकारी, समस्याओं का किया जाना था समाधान

कागजों में दौड़ा कृषि रथ, धरातल पर धोखा: किसानों को योजनाओं की जानकारी नहीं, 50 हजार की राशि हजम

सरकार ने वर्ष 2026 को कृषि वर्ष घोषित किया है। प्रदेशभर में कृषि रथ अभियान चलाया गया।

सुरील मालवीय ►► इछावर

खरीफ सीजन की बुआई शुरू होने से पहले किसानों को पराली प्रबंधन , जैविक खेती , स्वाइल हेल्थ कार्ड और आधुनिक कृषि उपकरणों जैसी गतिविधियों के बारे में जानकारी देने के लिए शासन द्वारा प्रदेशभर में कृषि रथ अभियान चलाया गया, लेकिन तहसील क्षेत्र में प्रशासनिक लापरवाही के कारण यह हथ अभियान सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गया। जिम्मेदारों ने कृषि रथ धरातल पर गांव - गांव न पहुंचाकर कागजों में ही जमकर दौड़ाया। पंचायतों में रथ नहीं पहुंचने से न सिर्फ सरकार के इस महत्वाकांक्षी अभियान को पतिला लगा बल्कि किसानों को योजनाओं की जानकारी से भी वंचित होना पड़ा।

सरकार ने वर्ष 2026 को कृषि वर्ष घोषित किया है। इसी के तहत प्रदेशभर में कृषि रथ अभियान चलाया गया। यह अभियान विकासखण्ड में 21 मई से 30 मई तक आयोजित किया जाना प्रस्तावित था। इसके तहत 10 दिनों तक कृषि रथ गांव - गांव पहुंचकर किसानों को पराली प्रबंधन , जैविक खेती, स्वाइल हेल्थ कार्ड और आधुनिक कृषि उपकरणों जैसी गतिविधियों के बारे में जागरूक किया जाना था। रथ के साथ कृषि विभाग अधिकारियों के अलावा कृषि विज्ञान केन्द्र , कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ शामिल होना थे । ताकि इस दौरान कृषि वैज्ञानिक सीधे किसानों से संवाद कर उन्हें खेती में आ रही समस्याओं का मौके पर ही समाधान बताया जा सके। इस रथ का रूट इस तरह



तय किया गया जाना था कि सभी ग्राम पंचायतों तक पहुंच सुनिश्चित हो सके। कृषि रथ के संचालन हेतु करीब 50 हजार रुपए की राशि भी आवंटित की गई । इस राशि से रथों का संचालन , गांवों में कार्यक्रम और प्रचार - प्रसार किया जाना था। लेकिन जिम्मेदारों की लापरवाही और उदासीनता के कारण ये रथ विकासखण्ड के सभी गांवों में नहीं पहुंचा। स्थिति यह रही कि अधिकारियों द्वारा चंद गांव पहुंचकर अभियान की रस्म अदायगी कर दी गई। ऐसे में किसानों को न तो योजनाओं की जानकारी मिल सकी और न ही उनकी समस्याओं का समाधान हो पाया।

किसानों का आरोप : रथ गांव आया न जानकारी मिली

गांव दीवड़िया के किसान एवं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष

प्रतिनिधि शंकर जयसवाल ,भारतीय किसान मजदूर संघ के जिला उपाध्यक्ष एवं आर्या गांव के वरिष्ठ किसान रामभरोस जाखड़, गांव रघुनाथपुरा के हेमराज पटेल, दुडलाई के सुरेश जाट झरखड़ा के महेश जाट, आदि किसानों ने बताया कि उनके गांव में अभी तक कृषि रथ आया और न ही कृषि व अन्य विभागों के अधिकारी आए हैं। किसानों को आधुनिक खेती और उपकरणों की जानकारी भी नहीं है। अधिकांश किसान परंपरागत तरीके से ही खेती कर रहे हैं जिससे उत्पादन में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है। भारतीय किसान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष राजमल नागर का कहना है कि सरकार द्वारा किसानों की आमदनी बढ़ाने और उन्हें आधुनिक खेती से जोड़ने के लिए विभिन्न योजनाएं और अभियान चलाकर करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं , लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता के कारण किसानों को

कृषि रथ से खेती के बदलते तरीकों से किसानों को कराना था रूबरू

ई- टोकन से खाद वितरण - सही मात्रा में उपयोग की देना थी जानकारी । जैविक और प्राकृतिक खेती अपनाने के आसान तरीके बताना । मिट्टी जांच और स्वाइल हेल्थ कार्ड का महत्व समझाना । फसलों में कीट और बीमारियों से बचाव के उपाय बताना । खेती में लागत घटाकर मुनाफा बढ़ाने की तकनीक समझाना एक ही खेत में अलग - अलग फसलें लेने के फायदों की जानकारी । किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी देना । प्रधानमंत्री धन -धान्य कृषि योजना के फायदे समझाना । पराली जलाने के नुकसान और प्रबंधन के तरीके बताना । खरीफ बुआई से पहले खेत समतल करने की तकनीक सिखाना ।

कृषि वैज्ञानिक के साथ प्रगतिशील किसानों को करना था शामिल

कृषि रथ सिर्फ योजनाओं का प्रचार नहीं बल्कि गांवों में किसानों की समस्याएं सुनने और मौके पर समाधान बताने की भी काम करना था। प्रत्येक विकासखण्ड में एक कृषि रथ 10 दिनों तक रोज 3-4 ग्राम पंचायतों और प्राथमिक कृषि ऋण समितियों तक पहुंचना था। खासबत यह है कि रथ के साथ कृषि विभाग के अधिकारियों के अलावा प्रगतिशील किसानों को भी शामिल किया जाना था। ताकि किसान सीधे उनसे रूबरू होकर खेती, खाद , बीज , रोग और उत्पादन बढ़ाने से सवाल पूछ सकें।

इसका समुचित लाभ और जानकारी नहीं मिल रही है। इस संबंध में वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी वीके शर्मा का कहना है कि समय एवं स्टफ की कमी के चलते सभी गांव कवर नहीं कर पाए अगले सत्र में छूटें हुए गांव कवर किए जाएंगे।

बारात की बस ने बाइक सवार को रौंदा 22 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत

इछावर। थाना क्षेत्र में बीती रात एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है, जहां खुशियों के माहौल के बीच एक घर का चिराग हमेशा के लिए बुझ गया। बारात लेकर जा रही एक तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार युवक को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि उसकी मौके पर ही तड़प-तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

कार्यक्रम से लौट रहा था युवक

मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक की शिनाख्त 22 वर्षीय अजय के रूप में हुई है, जो ग्राम बेरछा दतार का निवासी था। अजय अपने बड़े पापा के घर ग्राम कांकरखेड़ा में आयोजित एक रसोई के कार्यक्रम में शामिल होने आया था।

रात 11 बजे काल बनकर आई बस

दिल दहला देने वाला यह हादसा रात करीब 11 बजे का बताया जा रहा है। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद अजय अपनी बाइक से कांकरखेड़ा से दिवडिया स्थित अपने मामा के घर जाने के लिए निकला था। अभी वह भाऊंछेड़ी पालीवाल नर्सरी के पास पहुंचा ही था कि तभी इछावर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार अनियंत्रित बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि अजय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। चरमदीर्दों के मुताबिक टक्कर की आवाज इतनी जोरदार थी कि आसपास के लोग सहम गए। जब तक

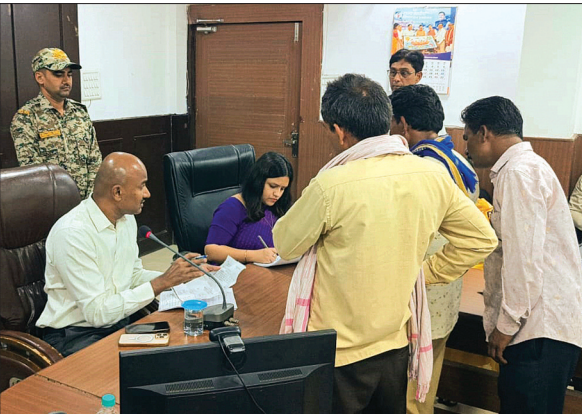


पुलिस ने शुरू की जांच, आरोपी चालक की तलाश

घटना की सूचना मिलते ही इछावर थाना पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। इछावर पुलिस ने मामले में गंरा कायम कर शव को परिजनों को सौंप दिया है। टक्कर मारने वाली बस और उसके चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्यवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस दुर्घटना के कारणों और बस चालक की लापरवाही की बारीकी से जांच कर रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतक अजय के परिवार में मातम छा गया है, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लोग मौके पर पहुंचे, तब तक युवक की सांसें थम चुकी थीं और चारों तरफ खून फैल गया था।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने 100 आवेदनों की सुनीं समस्याएं अधिकारियों को निराकरण के दिए निर्देश



सीहोर। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में कलेक्टर बालागुरू के. तथा जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव ने नागरिकों की समस्याओं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 100 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेड.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजरतूत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्री-मानसून बारिश, तापमान में गिरावट:आंधी से कई जगह पेड़ गिरे, 20 जून तक मानसून की संभावना

सीहोर। जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम में बड़ा बदलाव आया है। भीषण गर्मी और 44 डिग्री सेल्सियस तापमान से जूझ रहे जिले को प्री-मानसून बारिश और तेज हवाओं से राहत मिली है। तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, हालांकि आंधी के कारण कुछ स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

दो दिनों की तपिश के बाद पारा गिरकर 27 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है, जिससे लोगों को लू से राहत मिली। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में आष्टा में 22 मिमी, जावर में 3.1 मिमी, इछावर में 13 मिमी, भेरूदा में 25 मिमी, बुधनी में 2.5 मिमी, रेहटी में 16.2 मिमी, सीहोर में 2 मिमी और श्यामपुर में 3 मिमी बारिश हुई। मौसम बदलने के साथ ही जिले में कई जगहों पर तेज



आंधी-तूफान भी आया। हवाओं की रफ्तार इतनी तेज थी कि सड़क किनारे और खेतों में कई पेड़ धराशायी हो गए, जिससे कुछ समय के लिए आवागमन भी प्रभावित हुआ। सुबह से ही आसमान में काले घने बादल छाए हुए हैं और अनेक गांवों में लगातार रिमझिम फुहारें पड़ रही हैं, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई है।

मौसम विभाग के अनुसार, सीहोर समेत पूरे मध्य प्रदेश में इस बार मानसून की एंट्री में थोड़ी देरी हो सकती है। आमतौर पर 10 से 15 जून तक आने वाला मानसून इस

24 घंटे में कितनी हुई बारिश
आष्टा 22.0
जावर 3.1
इछावर 13.0
भेरूदा 25.0
बुधनी 2.5
रेहटी 16.2
सीहोर 2.0
श्यामपुर 3.0

साल 20 जून के आसपास सीहोर जिले में दस्तक दे सकता है। वर्तमान में हो रही बारिश प्री-मानसून गतिविधियों और पश्चिमी विक्षोभ के असर का परिणाम है। अनुमान है कि 20 से 30 जून के बीच मानसून पूरे जिले को कवर कर लेगा।

मौसम में आए इस बदलाव से गर्मी से राहत मिली है, लेकिन मौसम विभाग ने आंधी-तूफान को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। खराब मौसम के दौरान पेड़ों या बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचने को कहा गया है।

502 स्वास्थ्यकर्मियों की बगावत से हिली व्यवस्था, अनिश्चितकालीन हड़ताल पर एनएचएम स्टॉफ

हक की जंग में उतरे स्वास्थ्य योद्धा, 502 कर्मचारियों की हड़ताल से स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप, सेवाएं प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ►► सीहोर

जिन कंधों पर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था टिकी हुई है, वही कर्मचारी अब अपने हक की लड़ाई के लिए मैदान में उतर आए हैं। माताओं और बच्चों की देखभाल से लेकर टीकाकरण और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की जिम्मेदारी सभालने वाले एनएचएम के संविदा कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का बिगुल फूंक दिया है। 502 कर्मचारियों के एक साथ आंदोलन में उतरने से स्वास्थ्य विभाग में हलचल मच गई है। कर्मचारियों का साफ कहना है कि अब आश्वासनों से काम नहीं चलेगा, अधिकार चाहिए तो संघर्ष भी होगा।

नई टीम बनी, आंदोलन को मिली नई धार : एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की जिला एवं विकासखंड स्तरीय बैठक में संगठन का पुनर्गठन किया गया। सर्वसम्मति से हरिओम मेवाड़ा को जिलाध्यक्ष और सुश्री रश्मिा उड़के को जिला महिला अध्यक्ष चुना गया। नई कार्यकारिणी के गठन के साथ ही आंदोलन को नई दिशा और नई ताकत मिल गई है। बैठक में मौजूद कर्मचारियों ने संगठन की मजबूती और मांगों की लड़ाई को अंतिम मुकाम तक पहुंचाने का संकल्प लिया। पदाधिकारियों का कहना था कि अब कर्मचारी किसी भी कीमत पर पीछे हटने वाले नहीं हैं।

स्वास्थ्य विभाग में बढ़ी चिंता, सेवाओं पर



मंडराया संकट : सीहोर जिले में एनएचएम के अंतर्गत कार्यरत 502 संविदा कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ माने जाते हैं। यही कर्मचारी टीकाकरण अभियान, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की योजनाओं और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को जमीन पर संचालित करते हैं।

हड़ताल के कारण इन सेवाओं की रफ्तार थमने का खतरा पैदा हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं पर इसका सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है। स्वास्थ्य विभाग भी हालात पर नजर बनाए हुए है, क्योंकि बड़ी संख्या में कर्मचारियों के आंदोलन में शामिल होने से व्यवस्थाएं प्रभावित होना तय माना जा रहा है।

वर्षों से दबा आक्रोश आखिर फूट पड़ा : कर्मचारियों का आरोप है कि उन्होंने अपनी मांगों को लेकर कई बार शासन और प्रशासन का दरवाजा खटखटाया।

ज्ञापन दिए गए, निवेदन किए गए, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन मिला। वर्षों से लंबित मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं होने से कर्मचारियों का धैर्य जवाब दे गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का बड़ा दायित्व निभाने के बावजूद संविदा कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। यही असमानता अब आंदोलन का सबसे बड़ा कारण बन गई है।

इन मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई

आंदोलनकारी कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री की नियमितीकरण संबंधी घोषणा को तत्काल लागू करने, एनपीएस और स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने, 10 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि लागू करने और नियमित कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता देने की मांग उठाई है। इसके अलावा वेतन विसंगति दूर करने, समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करने, नियमित कर्मचारियों जैसी अवकाश सुविधाएं देने तथा आउटसोर्सिंग व्यवस्था पर रोक लगाने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई है। कर्मचारियों का कहना है कि जब जिम्मेदारियां समान हैं तो सुविधाओं में भेदभाव क्यों?

गुंजे एकता के नारे, संघर्ष जारी रखने का ऐलान

नवनिर्गुक्त जिलाध्यक्ष हरिओम मेवाड़ा ने कहा कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्ष लगातार जारी रहेगा। वहीं जिला महिला अध्यक्ष रश्मिा उड़के ने महिला कर्मचारियों से आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। बैठक के अंत में संविदा एकता जिंदाबाद, अभी करो-अर्जेंट करोर और कर्मचारियों की एकता के नारों से पूरा परिसर गुंज उठा। कर्मचारियों ने स्पष्ट संदेश दिया कि जब तक मांगों का समाधान नहीं होगा, तब तक यह लड़ाई थमने वाली नहीं है।

3 दिन तक पर्यावरण का जश्न: 4 से 6 जून तक सत्य साई विश्वविद्यालय में होगा आयोजन

सीहोर। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 पर सत्य साई विश्वविद्यालय ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेज, सीहोर 3 दिन तक पर्यावरण के नाम रहेगा। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल के सहयोग से 4 से 6 जून 2026 तक विश्वविद्यालय परिसर में तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम होगा। इस साल का विषय रखा गया है: प्रकृति से प्रेरित, जलवायु और हमारे भविष्य के लिए। यह कार्यक्रम कुलगुरु प्रो. (डॉ.) मुकेश तिवारी के मार्गदर्शन में होगा। संरक्षण डॉ. राजेश शर्मा, कुलसचिव और डॉ. संजय राठौर, परीक्षा नियंत्रक करेंगे। समन्वयक डॉ. रंजीत कुमार पुरे रहेंगे। सह-समन्वयक डॉ. गीता खूबचंदानी, देश दीपक श्रीवास और अंकित नवगीत जोशी हैं।

देशभर के विशेषज्ञ देंगे जानकारी

विश्वविद्यालय के सभी विभागों के विद्यार्थी, शोधार्थी और प्राध्यापक शामिल होंगे। देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों से आमंत्रित विशेषज्ञ पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, सतत

छात्रों के लिए होगी 5 बड़ी प्रतिযোগिताएं

- विद्यार्थियों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए निबंध, पोस्टर/चित्रकला, माष्ण, मॉडल निर्माण और प्रबोधोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।
- पर्यावरण क्लब का गठन और जागरूकता रैली
 - वृक्षारोपण अभियान" - हर हाथ में एक पौधा
 - लाघु फिल्म प्रदर्शन पर्यावरण संरक्षण पर
 - लुकचंड नाटक गली-गली में पर्यावरण का संदेश
 - हरित तकनीक प्रदर्शन- स्मार्ट जल संरक्षण, लंबवत बागवानी, बायोगैस खाद बनाना, ई-कचरा पुनर्व्यक्ति, सटीक खेती, ड्रोन निगरानी, जैव चिकित्सा कचरे का अपचटन और कचरे को अलग-अलग करने की आधुनिक विधियां होंगी।

विद्यासन और नई हरित तकनीकों पर व्याख्यान देंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों से अपील की है कि वे इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी निभाएं।

खबर संक्षेप

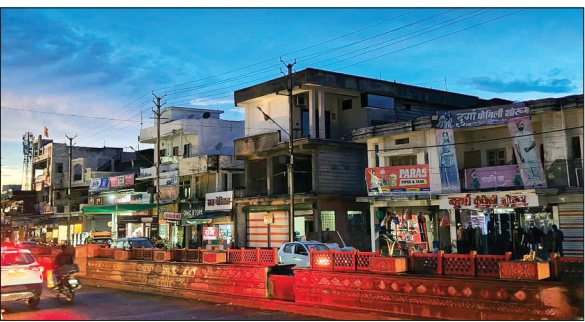
कुम्हार मोहल्लाक्षेत्र का बंद किया गया कच्चा रास्ता खुलवाने की मांग



सीहोर। बरखेड़ा हसन में अवैधानिक रूप से बंद किया गया कुम्हार मोहल्ले में स्थित कच्चा रास्ता खुलवाने की मांग ग्रामीणों के द्वारा की गई है। मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने जिला पंचायत सीईओ सर्जना यादव और डिप्टी कलेक्टर वंदना राजपूत को शिकायती पत्र देकर परेशानियों से अवगत कराते हुए उक्त मांग की है। गांव से जनसुनवाई में पहुंचे ओमप्रकाश, राधेश्याम, सुदामा, नरेश प्रजापति, गोवर्धन, तोरण सिंह, महेश, अनिल, लक्ष्मण सिंह, दिलीप, मुकेश कुमार, भगवत सिंह,, मनोज सिंह, कैलाश संतोष कुमार, दशरथ सिंह, विनोद कुमार आदि ने बताया कि रास्ता बंद होने से बच्चों को स्कूल जाने में काफी दिक्कत होती है। क्षेत्र के एक किसान ने रास्ते पर कब्जा कर बंद कर दिया है। बारिश में ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना होता है।

पहली बारिश में ही बिजली बेबस: दिनभर अंधेरा, रात तक ठप सप्लाई, कॉलोनी में फॉल्ट से जले उपकरण

भैरूदा। प्री-मानसून की पहली बारिश ने जहां भीषण गर्मी से राहत दी, वहीं नगर की बिजली व्यवस्था की हकीकत भी उजागर कर दी। सोमवार दोपहर करीब 2 बजे गुल हुई बिजली ढेर शाम तक पूरी तरह बहाल नहीं हो सकी, जबकि कई इलाकों में रात तक अंधेरा छाया रहा। इससे आमजन के साथ व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बाजार क्षेत्र में दुकानों के भीतर अंधेरा रहने से कारोबार प्रभावित हुआ और कई दुकानदारों को मोबाइल की रोशनी में काम चलाना पड़ा। बारिश शुरू होते ही बिजली आपूर्ति बाधित हो गई और नगर के अधिकांश हिस्सों में घंटों तक सप्लाई ठप रही। उमस भरे मौसम में बिजली गुल होने से लोगों को दोगुनी परेशानी झेलनी पड़ी। इलेक्ट्रॉनिक भूतान, कंप्यूटर आधारित कार्य और अन्य जरूरी सेवाएं भी बाधित रहीं। व्यापारियों का कहना है कि हर साल मानसून से पहले तैयारियों के दावे किए जाते हैं, लेकिन पहली ही बारिश में सिस्टम जवाब दे देता है। सबसे ज्यादा नुकसान स्तुति विहार



कॉलोनी में सामने आया, जहां केवल फॉल्ट के कारण कई घरों के बिजली उपकरण जल गए। रहवासियों के मुताबिक टीवी, फंखे, कुकर और ट्यूबवेल की मोटर तक खराब हो गई, जिससे हजारों से लेकर लाखों रुपए तक का नुकसान हुआ है। अचानक आए फॉल्ट से लोग संभल भी नहीं गए और घरों में लगे महंगे उपकरण चंद मिनटों में खराब हो गए। इधर तेज हवा और बारिश के चलते कई स्थानों पर बिजली लाइनों को नुकसान पहुंचा और पोल से जुड़े तार टूट गए, जिससे पूरे नगर में सप्लाई बाधित रही। ढेर रात तक विद्युत विभाग की टीम फॉल्ट ढूढ़ने

और सुधार कार्य में जुटी रही, जिसके बाद धीरे-धीरे आपूर्ति बहाल हो सकी। घटना के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिन लोगों के उपकरण जले हैं, उनके नुकसान की भरपाई कौन करेगा। स्थानीय नागरिकों में इसको लेकर आक्रोश है और उन्होंने जिम्मेदारी तय करने की मांग की है। वहीं विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अचानक तेज हवा चलने से लाइनें प्रभावित हुई थीं और कुछ स्थानों पर तार टूट गए थे। स्तुति विहार कॉलोनी में भी केवल फॉल्ट आया था, जिसे ठीक कर दिया गया है।

सीहोर में यूथ साइकिलिंग इवेंट 3 जून को

सीहोर। खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार माय भारत सीहोर एवं हिताय संस्था द्वारा विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर युवाओं में स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 3 जून को सीहोर के आवासीय स्कूल पर प्रातः 06 बजे यूथ साइकिलिंग इवेंट का आयोजन किया जाएगा। इस साइकिलिंग इवेंट में भाग लेने के लिए इच्छुक युवा पंजीयन पोस्टर में दिए गये क्यू आर कोड के माध्यम से पंजीयन कर सकते हैं। इसके अलावा मोबाइल नंबर 8878703926 पर व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं। इवेंट में सहभागिता करने वाले युवाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की सामूहिक शपथ भी दिलाई जाएगी।

प्रत्येक स्थान पर करीब 100 किसानों को जोड़ने का रखा लक्ष्य

किसानों के बीच मन की बात: 100 कृषकों संग सुना पीएम का संदेश, बोले: यह जनसंवाद नहीं, जनआंदोलन है



हरिभूमि न्यूज ►► गैरूदा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड को रविवार को भैरूदा सहित पूरे क्षेत्र में उत्साह के साथ सुना गया। इस बार कार्यक्रम की खास बात यह रही कि इसे किसानों के बीच बैठकर सामूहिक रूप से सुना गया, जिससे आयोजन महज एक प्रसारण न रहकर जनभागीदारी का सशक्त उदाहरण बन गया।

नगर के कृषि संगोष्ठी भवन सहित विभिन्न स्थानों पर भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं और किसानों की मौजूदगी में कार्यक्रम का प्रसारण किया गया। भैरूदा में किसान

मोचां के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश पंवार के नेतृत्व में करीब 100 किसानों और कार्यकर्ताओं ने एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना। कार्यक्रम के बाद किसानों के बीच विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की गई। राजेश पंवार ने कहा कि 'मन की बात' अब केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि यह देश के करोड़ों लोगों को जोड़ने वाला जनआंदोलन बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हैं। यह मंच आमजन के विचारों को सामने लाने का भी माध्यम बन गया है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री राज उठाए गए

वर्षा पूर्व तैयारियों में जुटा नगर परिषद अमला

बुधनी।आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद द्वारा नगर के बरसाती नालों की सफाई अभियान तेज कर दिया गया है। नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता अर्जुन मालवीय एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सतोष रघुवंशी के निर्देशानुसार मंगलवार को वार्ड क्रमांक 08 स्थित बड़े नाले की जैसीबी मशीन से व्यापक सफाई कराई गई। इस दौरान नगर परिषद स्वच्छता ब्रॉड एंबेसडर अर्जुन मालवीय ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और काम का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वर्षा प्रारंभ होने से पहले नगर के सभी प्रमुख नालों की सफाई कार्य पूर्ण कर लिया जाए,ताकि बारिश के समय जल निकासी सुचारु बनी रहे और जलभराव जैसी समस्याओं से नागरिकों को परेशानी न हो उन्होंने सफाई कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करने, नालों से निकली गाद एवं कचरे का तत्काल उचित निस्तारण सुनिश्चित करने तथा अभियान को निरंतर जारी रखने के निर्देश भी दिए नगर परिषद द्वारा चलाए जा रहे इस विशेष अभियान का उद्देश्य नगरवासियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना तथा वर्षा ऋतु में संभावित समस्याओं से बचाव करना है।



स्वच्छता कर्मियों को किया गया दवाई और हाइजीन किट का वितरण

सीहोर। रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में सफाई कर्मियों हेतु निशुल्क दवाई एवं हाइजीन किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ रोहितश कुमार शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सफाई कर्मियों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करना तथा उनके स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर सफाई कर्मियों को निशुल्क दवाइयों एवं हाइजीन किट का वितरण किया गया। कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा सेवा एवं मानवता के मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य डॉ. सजन खत्री, डॉ. सिद्धनाथ खजुरिया, अनिल पिपलोदिया, महेंद्र बघेल, डॉ. महेंद्र वर्मा, कैलाश ठक्कर तथा नोडल अधिकारी डॉ. तिमाथियस एक्का सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।



राजेश पंवार ने बताया कि प्रदेश स्तर पर भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर किसान मोर्चा के माध्यम से जिलेभर में कई स्थानों पर 'मन की बात' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रत्येक स्थान पर करीब 100 किसानों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था, ताकि अधिक से अधिक लोग प्रधानमंत्री के विचारों से जुड़

सकें और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की बातों से उन्हें नई ऊर्जा और आत्मविश्वास मिलता है। उन्होंने इसे खेती-किसानी से जुड़े मुद्दों को समझने का बेहतर माध्यम बताया। किसानों ने कहा कि ऐसे सामूहिक आयोजनों से आपसी संवाद बढ़ता है और नई जानकारी हासिल होती है। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्ष, मारुति शिशिर,भाजपा के नेता, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से अमित मीणा, रामभरोष पवार सरंपंच बड़नागर, गोल्डी अग्रवाल, भारत सिंह पंवार और बगवाड़ा क्षेत्र के किसान शामिल हुए।

अधिकांश नालियां गंदगी से पटी होने के कारण थोड़ी सी बारिश में ही पानी सीधे सड़कों पर बहने लगा

प्री-मानसून की पहली बारिश ने सफाई व्यवस्था की खोली पोल, कई जगह जलभराव, पसरी गंदगी



स्थित नाले एवं नालियों की नियमित सफाई नहीं की जा रही है। अधिकांश नालियां गंदगी से पटी होने के कारण चोक है। इस कारण थोड़ी सी बारिश में ही पानी सीधे सड़कों पर बहने लगा। लोगों का आरोप है नाले और नालियों की साफ सफाई कर जल निकासी की व्यवस्था को लेकर कई बार नपं को अवगत कराया गया , लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

नाले और नालियों की सफाई नहीं होने से बढ़ेगी परेशानी

नागरिकों का कहना है कि मानसून से पहले जल निकासी



व्यवस्था को दुरुस्त नहीं किया गया तो नगर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव जैसी समस्याएं गंभीर हो सकती है। पार्षद जुनैद ने बताया कि वह गंदे नाले का निर्माण कार्य पूरा करने और उसकी सफाई करने की मांग नपं सीएमओ से कई बार कर चुका हूं, लेकिन वह इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। यह नाला आने वाले बारिश के दिनों में नागरिकों के लिए बड़ी मुसीबत का कारण बन सकता है।

पार्षद सहित अन्य नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि बरसात शुरू होने से पहले बंद पड़े नाले और सभी नालियों की युद्ध स्तर पर सफाई कराई जाएं और जलभराव वाले क्षेत्रों का सर्वे

कर जल निकासी की योजना बनाई जाएं , ताकि आने वाले मानसून में जलभराव और सड़कों पर जमा होने वाली गंदगी की समस्या से बचाया जा सके।

जल्दी कराई जाएगी साफ-सफाई

कुछ लोगों ने नालियों पर अतिक्रमण कर रखा है। इसके चलते कर्जवाहियों को नालियां साफ करने में काफी परेशानी हो रही है, जल्दी ही इन नालियों से अतिक्रमण हटाकर सफाई कराई जाएगी धरमराज यादव, सीएमओ नप इछावर

सांदीपनि विद्यालय में समर कैप का हुआ समापन

बुधनी। शासन के निर्देशानुसार एक मई से नगर के सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित ग्रीष्मकालीन समर कैप का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। समर कैप का आयोजन विद्यालय प्राचार्य सुधा सालोमन एवं समर कैप प्रभारी अनुपमा दुबे के नेतृत्व में किया गया समर कैप के दौरान प्रतिदिन थोम आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बद्ध-चढ़कर सहभागिता निभाई कैप में लोक नृत्य, न्यूज पेपर ड्रेस,लोक कला मांडना,थिएटर, मिट्टी के खिलौने बनाना,कागज की टोकरी तैयार करना, हमारे खेल हमारी पहचान अंतर्गत बोकीया एवं शेर-बकरी जैसे पारंपरिक खेल,आर्ट एंड क्राफ्ट के तहत मुखौटे बनाना,थोम थिएटर "हमारी कहानियां"अपने नाम की परिचयां ढूढ़ना, ध्यान-योग, मुहावरे, फोटोग्राफी एवं डिजिटल स्टोरी, स्थानीय एवं जनजातीय कला, नाटक,मूर्ति निर्माण, समूह गीत एवं स्वर-लय अभ्यास जैसी अनेक गतिविधियां संपन्न हुई।

प्राचार्य सुधा सालोमन के मार्गदर्शन में उपप्राचार्य सुरेंद्र सिंह जामलिया,जीपी दायमा,निशा ठाकुर, कमल सिंह मालवीय, कृति शिवहरे,नंदिता विश्वास,श्वेता पाठक, ज्योति इडके,ज्योति वर्मा,आयशा खान, खुशबू



रैकवार,वीणा शिवहरे,स्पोर्ट्स शिक्षक इरफान खान, आर्ट क्राफ्ट प्रशिक्षक सृष्टि भार्गव,सुनीता चाड़ोकर,शशांक पंचौरी,सुषमा चौहान एवं चांदनी कुशवाह ने बच्चों के बीच रहकर गतिविधियों का संचालन किया शिक्षकों के सहयोग एवं विद्यार्थियों के उत्साह के कारण समर कैप आकर्षण का केंद्र बना रहा। समापन अवसर पर प्राचार्य सुधा सालोमन ने कहा कि समर कैप में शासन के निर्देशानुसार नियमित रूप से गतिविधियां आयोजित की गईं इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं कोशल विकास को बढ़ावा मिला साथ ही बच्चों ने जीवनोपयोगी नई बातें सीखीं,जिससे समर कैप की उपयोगिता सिद्ध हुई।

प्री-मानसून अलर्ट: नालों-नालियों की युद्धस्तर पर सफाई, जल जमाव रोकने की तैयारी तेज

भैरूदा। आगामी मानसून को देखते हुए नगर परिषद ने शहर में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए कर्मर कस ली है। प्री-मानसून स्वच्छता अभियान के तहत शहर के सभी छोटे-बड़े नालों और गहरे नालों की सफाई युद्धस्तर पर शुरू कर दी गई है। इस अभियान की शुरुआत सोमवार को वार्ड क्रमांक 14 से की गई, जिसे अब चरणबद्ध तरीके से पूरे शहर के सभी वार्डों में चलाया जाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर और सीएमओ आर.पी. भावरे के निर्देश पर चल रहे इस विशेष अभियान में प्रत्येक वार्ड के लिए अलग-अलग सफाई टीमों का गठन किया गया है। सफाई दरोगा अशरफ खान को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे सभी वार्डों में नियमित मॉनिटरिंग कर सफाई व्यवस्था को प्रभावी बनाएं, ताकि बारिश के दौरान कहीं भी पानी का ठहराव न हो। अध्यक्ष मारुति शिशिर ने साफ निर्देश दिए हैं कि नालों की सफाई केवल औपचारिकता न रहे, बल्कि निचले स्तर तक जमी गाद, मिट्टी और प्लास्टिक कचरे को पूरी तरह हटाया जाए। उन्होंने कहा कि जल निकासी तंत्र को मजबूत बनाना प्राथमिकता है, जिससे बारिश के समय पानी का बहाव बाधित न हो। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया है कि नालियों से निकाला गया गीला कचरा सड़कों पर न छोड़ा जाए, बल्कि उसे तुरंत सूखाकर वाहनों के माध्यम से डंपिंग यार्ड पहुंचाया

जाए, ताकि वह दोबारा नालियों में न बह सके। नगर परिषद ने शहर के उन निचले इलाकों और संवेदनशील मोहल्लों को चिन्हित किया है, जहां हर साल जल जमाव की समस्या गंभीर रूप ले लेती है। इन क्षेत्रों में विशेष प्राथमिकता के साथ सफाई कार्य कराया जा रहा है, ताकि मानसून के दौरान नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। सीएमओ आर.पी. भावरे ने बताया कि प्री-मानसून की बारिश अक्सर तेज होती है, इसलिए परिषद ने अपनी तैयारियों को उसी अनुरूप मजबूत किया है। उनका लक्ष्य है कि मानसून की पहली बारिश से पहले सभी वार्डों में जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाए।

इसके साथ ही नगर परिषद ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील की है। परिषद का कहना है कि लोग नालियों और नालों पर अतिक्रमण न करें और उनमें कचरा न डालें, ताकि सफाई व्यवस्था बनी रहे और शहर स्वच्छ व सुरक्षित रह सके।



बकरियां चराने गए युवक की कुएं में डूबने से मौत

राजगढ़। जिले के कालीपीठ थानाक्षेत्र एवं पंचोर क्षेत्र में पानी में डूबने एवं जहर खाने से एक किशोर एवं एक युवक की मृत्यु हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कालीपीठ निवासी 16 वर्षीय युवक निर्मल पिता पर्वत सिंह वर्मा बकरियां चराने जंगल गया हुआ था। जब निर्मल पंडितजी के कुएं के किनारे पानी पी रहा था इस दौरान उसका पैर फिसला और वो कुएं में जा गिरा जिसके चलते उसकी मृत्यु हो गई। मृतक के शव को जिला अस्पताल लाया गया जहां से पीएम उपरान्त परिजनों को सौंप दिया गया। एक अन्य घटना पंचोर कस्बे में घटित हुई। यहां जगदीश पिता नारायण शर्मा उम्र 35 वर्ष विासी प्रेम कालौनी ने जहर खा लिया। परिजनों द्वारा गंभीर हालत में जगदीश को पंचोर अस्पताल भिजवाया गया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दोनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

अहिल्याबाई जयंती पर धनगर समाज ने निकाला जुलूस, किया प्रसाद वितरण



हरिभूमि न्यूज़ ►► सारंगपुर

धनगर समाज मोहल्ला पछेटवाड़ी द्वारा विचार को लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाजजनों ने भव्य जुलूस निकालकर प्रसाद वितरण किया तथा उनके आदर्शों को स्मरण किया। कार्यक्रम की शुरुआत पछेटवाड़ी क्षेत्र में स्थित समाज

परिसर से हुई। यहां समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं और युवाओं ने अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके पश्चात श्रद्धा और भक्ति के माहौल में जुलूस निकाला गया, जो विभिन्न मार्गों से होते हुए देव कुआं महादेव मंदिर पहुंचा। जुलूस में महिला, पुरुष एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समाजजन हाथों में ध्वज लिए हुए चल रहे थे तथा अहिल्याबाई

होलकर के आदर्शों का गुणगान कर रहे थे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने अपने शासनकाल में न्याय, सेवा, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उन्होंने देशभर में अनेक मंदिरों, धर्मशालाओं और जनहितकारी निर्माण कार्यों को बढ़ावा देकर समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके जीवन से समाज को सेवा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा की सीख मिलती है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं समाजजनों को प्रसाद वितरित किया गया। आयोजन में संदीप धनगर,अशोक धनगर, श्याम धनगर,मुकेश धनगर,विरु धनगर,कालू धनगर सहित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, महिलाएं, युवा एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

8 भैंसों की मौत, पशुपालकों में चिंता



सारंगपुर। नगर के पटेलवाड़ी क्षेत्र में रविवार को एक दुखद घटना साप्ने आई, जहां अज्ञात कारणों के चलते 8 पालतू भैंसों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही भैंस मालिक शहिद पटेल, हाफिज पटेल एवं जहूर पटेल मौके पर पहुंचे। अचानक हुई इस घटना से पशुपालकों में चिंता और हड़कंप की स्थिति बन गई।

जानकारी के अनुसार सभी भैंसें सामान्य रूप से चरने गई थीं, लेकिन कुछ समय बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और देखते ही देखते 8 भैंसों की मौत हो गई। भैंस मालिकों ने बताया कि उन्हें मौत के वास्तविक कारणों की जानकारी नहीं मिल सकी है। घटना के बाद

क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार भैंसों द्वारा हरी चरी (हरा चारा) खाने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी थी, जिसके चलते जहरीले चारे या किसी विषैले पदार्थ के सेवन की आशंका जताई जा रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एक साथ 8 भैंसों की मौत से पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं पशु चिकित्सा विभाग से मामले की जांच कर मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने तथा प्रभावित पशुपालकों को उचित सहायता प्रदान करने की मांग की है। फिलहाल क्षेत्र में घटना को लेकर चर्चा का माहौल बना हुआ है।

सड़कों पर भरा पानी, मक्का के दाने बराबर गिरे ओले, गर्मी से राहत

प्री-मानसून की पहली जोरदार बारिश हुई

हरिभूमि न्यूज़ ►► सारंगपुर

सारंगपुर सहित क्षेत्र में सोमवार दोपहर प्री-मानसून की पहली जोरदार बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया। करीब एक घंटे से अधिक समय तक हुई तेज बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली, वहीं कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति भी बन गई। बारिश के दौरान लगभग 10 मिनट तक मक्का के दाने के बराबर ओले भी गिरे, जिससे मौसम सुहावना हो गया। सोमवार सुबह क्षेत्र का अधिकतम तापमान करीब 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दोपहर बाद आचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश के बाद तापमान में करीब 9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई और पारा 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इससे लोगों ने गर्मी और उमस से बड़ी राहत महसूस की।



हाइवे पर भरा पानी, यातायात प्रभावित: तेज बारिश के कारण नेशनल हाईवे-52 पंचोर क्षेत्र में करीब दो फीट तक पानी भर गया। सड़क पर पानी जमा होने से वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई वाहन पानी के बीच से जाकर पड़े हुए हैं। बारिश के बीच से जावधानीपूर्वक गुजरते नजर आए। कुछ समय के लिए यातायात को रफ्तार भी

प्रभावित हुई, हालांकि किसी बड़े हादसे की सूचना नहीं मिली। नालियां जाम, सड़कों पर फैला पानी: सारंगपुर और पंचोर नगर के कई क्षेत्रों में नालियां की सफाई नहीं होने के कारण जल निकासी व्यवस्था प्रभावित हो गई। नालियां सावधानीपूर्वक गुजरते नजर आए। कुछ समय से बारिश का पानी सड़कों और रहवासी इलाकों में भर गया। कई स्थानों पर

घरों और दुकानों के सामने पानी जमा होने से लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

किसानों के लिए लाभदायक बारिश

बारिश के साथ चली ठंडी हवाओं ने वातावरण को खुशनुमा बना दिया। किसान भी इस बारिश से उत्साहित वजर आए। किसानों का कहना है कि प्री-मानसून की यह बारिश खरीफ फसलों की तैयारी के लिए लाभदायक साबित होगी। खेतों में नमी बढ़ने से बोवनी की तैयारियों को गति मिलेगी।

आगे भी बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में क्षेत्र में बादल छाए रहने तथा गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। प्री-मानसून की इस पहली अच्छी बारिश ने जहां लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी, वहीं नगर की जल निकासी व्यवस्था की कमियों को भी उजागर कर दिया।

राजगढ़/ब्यावरा हरिभूमि 07

हादसे में पति और बच्चा घायल

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

हरिभूमि न्यूज़ ►► सारंगपुर

नेशनल हाईवे पर धनोरा के समीप हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसके पति और नाबालिग बच्चे को मामूली चोटें आई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूजा पति दीपक मोंगिया अपने पति एवं बच्चे के साथ बाइक से शाजापुर से अपने ग्राम छायन जा रही थीं। इसी दौरान धनोरा के पास नेशनल हाईवे पर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल सारंगपुर लाया गया। अस्पताल में



चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद पूजा मोंगिया को मृत घोषित कर दिया। वहीं पति दीपक मोंगिया एवं उनके बच्चे को हल्की चोटें आने पर उपचार प्रदान किया गया। महिला की मौत की सूचना अस्पताल द्वारा पुलिस को दी गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आवश्यक कार्रवाई के बाद महिला का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

डॉ. बशीर बद्र को साहित्यकारों ने दी भावमिनी श्रद्धांजलि विदिशा। देश के प्रख्यात उर्दू शायर डॉ. बशीर बद्र के निधन पर सुलेखा साहित्य कला परिषद के तत्वावधान में नगर के वरिष्ठ शायर निसार मालवी के निवास पर शोकसभा हुई। नगर के साहित्यकारों और शायरों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। परिषद अध्यक्ष संतोष शर्मा ‘सागर’ ने कहा कि डॉ. बशीर बद्र ने अपनी शायरी से पांच दशकों तक लोगों के दिलों पर राज किया।

सकारात्मक परिणाम: गत वर्ष से 6 लाख क्विंटल ज्यादा हुआ गेहूं का उत्पादन

मोहनपुरा बांध के चलते हर साल बढ़ रहा सिंचाई का रकबा

हरिभूमि न्यूज़ ►► राजगढ़

जिले की वृहद सिंचाई परियोजना मोहनपुरा बांध से किसानों की तकदीर निश्चित रूप से संवरी है। यह सिर्फ एक उक्ति और कागजी आंकड़ा नहीं बल्कि हकीकत है। जिले में इस वर्ष गेहूं का रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन हुआ है। गेहूं उत्पादन का आंकड़ा साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है क्योंकि सिंचाई के रकबे में हर साल बढ़ोतरी हो रही है।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष जिले के 108 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 72 हजार 565 किसानों से समर्थन मूल्य पर कुल 44 लाख 55 हजार 784 क्विंटल एफएक्यू (गुणवत्ता पूर्ण) गेहूं का उपार्जन किया गया। उपार्जित गेहूं का कुल मूल्य लगभग 1169.64 करोड़ रुपए रहा। जबकि गत वर्ष यानिकी साल 2025-26 में 52 हजार 176 किसानों से 38 लाख 23 हजार 862 क्विंटल गेहूं का उपार्जन किया गया था, जिसकी राशि 994.20 करोड़ रुपए थी। इस प्रकार वर्ष 2026-27 में जिले में गत वर्ष की तुलना में 20 हजार 389 अधिक किसानों ने उपार्जन केंद्रों पर गेहूं विक्रय किया तथा 6 लाख 31 हजार 922 क्विंटल



अधिक गेहूं की खरीदी की गई।

रिकॉर्ड तोड़ खरीदी में अमले का योगदान

कलेक्टर डॉ. मिश्रा द्वारा पूरे उपार्जन कार्य की नियमित समीक्षा की गई तथा किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। परिणामस्वरूप जिले में उपार्जन कार्य सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जिले में हुई रिकॉर्ड गेहूं खरीदी को किसानों के विश्वास, प्रशासन की सतत निगरानी तथा समन्वित कार्यप्रणाली का सकारात्मक परिणाम माना जा रहा है।

नल जल योजना से मलावर में खुशी की लहर, ग्रामीणों की पेयजल समस्या का हुआ हल



राजगढ़। जनपद पंचायत ब्यावरा के ग्राम मलावर के लिए बीता दिन बहुत बढ़िया रहा। जल निगम की पाइप लाइन से नल जल योजना को जोड़े जाने के बाद गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। भीषण गर्मी में अब हर घर को शुद्ध पेयजल मिल रहा है। यह काम जिला कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ इच्छित गड़पाले के मार्गदर्शन में पूरा हुआ। कार्यपालन यंत्रो एच एस बामनिया व जल निगम महाप्रबंधक उमाकांत चौधरी के विशेष सहयोग से इसे गति मिली। पीएचई विभाग के एसडीओ देवेन्द्र सिंह गौड़ और उनकी टीम ने ग्रामीणों की परेशानी को समझते हुए तेजी से काम किया। ग्रामीणों के सहयोग और सरपंच प्रतिनिधि रोड जी के भरपूर साथ से विभाग को बड़ी सफलता मिली।

पहले पानी के लिए दूर जाना पड़ता था

पहले पानी के लिए दूर जाना पड़ता था। अब नल से साफ पानी आ रहा है, ये हमारे लिए बहुत बढ़िया सौगात है।

हल्की बूंदबांदी के साथ बिजलियां भी चमकी

दिन में कई बार बदले मौसम के मिजाज

हरिभूमि न्यूज़ ►► राजगढ़

बीते करीब डेढ़ माह से भीषण गर्मी से हलाकान लोगों को अब जाकर कहीं थोड़ी राहत मिली है। नौतपे की गर्मी से झुलसे लोग दो दिनों से मौसम में आए बदलाव से राहत की सांस ले रहे हैं। सोमवार को भी मुख्यालय सहित जिले के अनेक क्षेत्रों में हवा, आंधी, तूफान के साथ बिजलियां चमकी और हल्की बूंदबांदी ने वातावरण में ठंडक चोल दी।

सोमवार सुबह से दोपहर तक अलबता लोग भीषण गर्मी से परेशान थे लेकिन दोपहर 1 बजे बाद मौसम ने अचानक करवट बदली और आसमान में बादल छा गए। कुछ देर तक आंधी और हवा के साथ बिजलियां भी चमकी और बाद में हल्की बूंदबांदी शुरू हो गई। हालांकि, मौसम विभाग ने पूर्व से ही राजगढ़ समेत अन्य जिलों में इस बात की संभावना व्यक्त कर दी थी। इस आंधी, तूफान के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह पेड़ धरासाही हो गए वहीं लोगों के घरों की चदरें भी उड़ गईं। अगले दो-तीन दिनों तक इसी तरह का मौसम रहने की

संभावना विभाग ने व्यक्त की है वहीं लोगों से भी सतर्क रहने का अलर्ट जारी किया गया है ताकि आंधी, तूफान से जनहानि न होने पाए।

जल्दी आ सकता है मानसून

राजगढ़ जिले में जून के अंतिम सप्ताह में मानसून दस्तक दिया करता है लेकिन इस बार उसकी जल्दी आमद की संभावना नजर आ रही है। मौसम विभाग के अनुसार जून के दूसरे सप्ताह में मानसून की पहली बारिश होने की उम्मीद है।

खबर संक्षेप

13 से 18 जून तक होगी वैष्णो देवी की यात्रा

सीहोर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 13 जून से 18 जून तक सीहोर जिले के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को रवैष्णो देवीर की तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। सीहोर जिले के तीर्थ यात्रियों का बोर्डिंग स्टेशन सीहोर निर्धारित किया गया है। कलेक्टर बालागुरू के. ने एसडीएम, सभी जनपद सीईओ और नगर पालिका सीएमओ को यात्रियों को स्वयं के साधन से रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने, व्यवस्थित रूप से ट्रेन में बैठाने, रेलवे स्टेशन पर बैनर सहित टेबल स्थापित करने और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि तीर्थ यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

सीहोर में युवाओं के लिए रोजगार मेला 09 को
सीहोर। युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 09 जून को प्रातः 11 बजे सीहोर स्थित प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अग्रेटिसिप मेला आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में रोजगार विभाग द्वारा स्थानीय, प्रदेश एवं अन्य राज्यों की कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को रोजगार प्रदान किया जायेगा। इसी प्रकार जिला व्यापार उद्योग केंद्र द्वारा स्वरोजगार विभागों के स्वरोजगार प्राप्त हितग्राहियों को लाभान्वित कर नये प्रकरण तैयार किया जाएंगे। आईटीआई विभाग द्वारा अग्रेटिसिप के लिये युवाओं को चर्चवित किया जाएगा।

शिविर लगाकर किया बच्चों का टीकाकरण
सीहोर। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 02 जून को आयोजित शिविरों में शुन्य से एक वर्ष की आयु के 625 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 258 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 146 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

कांग्रेस ने किया पीडब्ल्यूडी का घेराव

देवास। लोक निर्माण विभाग द्वारा उज्जैन रोड चौड़ीकरण का काम बहुत धीमी गति से किया जा रहा है,जिससे हजारों नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शोध रोड निर्माण की मांग को लेकर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास मौन एवं वामणी जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनीष चौधरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस जनों ने लोक निर्माण विभाग के कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन दिया। कांग्रेस प्रवक्ता हरिस गजधर ने बताया कि कांग्रेस द्वारा ज्ञापन के जरिए मांग की गई कि उज्जैन रोड चौड़ीकरण का कार्य बारिश के पूर्व शीघ्र पूरा किया जाए एवं निर्माण एजेंसी को निर्दिष्ट की जाए कि वह निर्माण युद्ध स्तर पर शुरू करें। अगर बारिश के पूर्व रोड नहीं बना तो परेशानी और ज्यादा बढ़ जायगी। ज्ञापन देने के दौरान एसडीओ के देर से पहुंचने पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी ने नाराजी व्यक्त करते हुए कहा कि जब हमने पूर्व में सूचना दे दी थी कि हम ज्ञापन देने आएंगे, तो फिर आखिर क्यों आप समय पर मौके पर उपस्थित नहीं रहे। इस अवसर पर सहकर कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम, मनीष चौधरी,प्रदीप चौधरी, रोशन रायकरवार ने भी अपनी बात रखी। इस दौरान कांग्रेस नेता गुज्जरण सिंह सलूजा,नजर शेख, जालिंद पठान, सुजोत सांगते ज्ञान सिंह दरबार विक्रम मुकाती,सुधीर शर्मा, उमेश झांवर, राजेश राठौर,रूपेश कल्याण, दिलीप परमार,मनोज हेतावन, अजय सिंह राजाज आदि मौजूद थे।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत देवास पुलिस का छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण प्रारंभ
भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, आपदा राहत पर प्रशिक्षण जारी

हरिभूमि न्यूज ►► देवास

आगामी सिंहस्थ-2028 महापर्व को सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार जिला देवास में छह दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सोमवार को प्रारंभ हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला पुलिस बल, होमगार्ड, विशेष सशस्त्र बल एवं विशेष शाखा के चयनित पुलिसकर्मियों को सिंहस्थ जैसे विशाल धार्मिक आयोजन के दौरान आने वाली चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

आयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) हरनारायण बाथम उपस्थित रहे। अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि सिंहस्थ विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें लाखों

ग्राम कुरावर में 10 लाख से बनने वाले टीन शेड का विधायक ने किया भूमिपूजन

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के हर ग्राम में लिखा जा रहा विकास का इतिहास: इंजीनियर

ग्रामीणजनों से देशहित में दैनिक जीवन मे स्वदेशी वस्तुओं का एवं डीजल पेट्रोल की बचत का किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ►► आष्टा

आष्टा विधानसभा क्षेत्र में विकास की बयार वह रही है। आज हर पंचायत में विकास के करोड़ों के कार्य चल रहे है और आगे आप सब जो कार्य बतायेंगे विकास के वो सब कार्य होंगे। मेरी इस अवसर पर आप सब से देशहित में एक अपील है की इन दिनों अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण एक नही अनेकों गम्भीर रूप से आर्थिक व अन्य समस्याओं से पूरा विश्व जूझ रहा है,भारत भी इससे अछूता नही है,लेकिन देश मजबूत हाथों में होने के कारण अभी परेशानियां कम है । संकट के इस दौर में आपसे अपील करता हु की सभी नागरिक दैनिक जीवन मे स्वदेशी वस्तुओं का एवं डीजल पेट्रोल की बचत सहित प्रधानमंत्री ने जो सात अपील की है उसका पालन जरूर करे। उक्त उद्गार विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने ग्राम पंचायत कुरावर में 10 लाख की लागत से बनने वाले टीन शेड के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्राम कुरावर में कहे।

कार्यक्रम में शामिल होने ग्राम कुरावर पहुंचे विधायक गोपालसिंह इंजीनियर का ढोल ढमाकों के साथ भव्य अगवानी कर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक इंजीनियर ने कहा की हर ग्राम का विकास मेरा लक्ष्य है,उसे पूरा करूंगा। विधायक निधि से ग्रामो में सभी मांगलिक भवन बनयेंगे जो सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम ग्रामीण एक छत के नीचे कर सकेगे।

आज ग्राम कुरावर में भी 10 लाख से बनने वाले टीन शेड का भूमिपूजन किया है । आष्टा को लगातार विकास की सीमातें मिल रही हैं। कुछ दिनों पूर्व मुख्यमंत्री ने करीब 200 करोड़ के विकास कार्यों के लोकापण एवं भूमिपूजन किये थे। विधायक ने कहा की मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में हम सभी ग्रामो का पंचायतों का सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के तहत मप्र 2047 तक विकसित भारत एवं



विकसित मप्र के लक्ष्य को लेकर लगातार आगे बढ़ रहे है और विकास के कार्य कर रहे है । कई ग्रामो में टीन शेड के निर्माण कराये गये है ताकि ग्रामीण जन कार्यक्रम आयोजित कर सके । विधायक ने कहा की हर ग्राम में नागरिको को साफ,स्वच्छ पानी मिले इसके लिये मेरे क्षेत्र में 14 सो करोड़ की जल जीवन मिशन के द्वारा हर घर को नल से जल योजना प्रागति पर है । इससे 283 ग्राम लाभान्वित होंगे।

विधायक इंजीनियर ने कहा की सिंचाई के क्षेत्र में वृद्धि को लेकर मेरे क्षेत्र को नर्मदा पार्वती लिंक योजना जो कि ढाई सौ करोड़ की है का कार्य अंतिम चरण में है इस ही वर्ष के अंत तक हर खेत तक नर्मदा का पानी पहुंचे ये लक्ष्य है।इससे मेरे क्षेत्र में 75 हजार हेक्टेयर भूमि में सिंचाई का रकबा बढ़ेगा,किसानों की आय में वृद्धि होगी,मेरा क्षेत्र हरा भरा होगा। इस योजना से लगभग 268 ग्राम लाभान्वित होंगे। जब भरपूर पानी नर्मदा मैय्या का मिलेगा तब हमारे किसान भाई जो अभी तक केवल दो फसल ही पैदा कर पाते है,तब तीन से चार फसल पैदा कर पायेंगे तब उनकी आय भी बढ़ेगी,परिवार का जीवन स्तर ऊंचा होगा,रहन सहन का स्तर ऊंचा होगा। बन रहे कान्याखेड़ी डेम से ग्राम कुरावर

सहित लगभग 12 से 14 ग्रामो को कान्याखेड़ी डेम से सिंचाई की सुविधा मिलेगी।

विधायक ने कहा कि विकास कार्यों,जनकल्याण एवं गरीब कल्याण की योजनाओं का सभी पात्र हितग्राहियों को लाभ मिलेगा। विधायक ने बताया की बीते दो वर्ष में विधायक निधि 05 करोड़ से पूरे विधानसभा क्षेत्र में नागरिको की मांग पर विकास के कार्य कराये गये है । 144 ग्राम पंचायतों में से 110 से अधिक पंचायतों में पानी के टैंकर दिये है। टीन शेड निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम में पहुंचे विधायक गोपालसिंह इंजीनियर को सरपंच ने ग्राम में सीसीटीवी लगाने,मार्ग निर्माण,रामदेव मन्दिर निर्माण में सहयोग करने जैसी कई मांगो का एक मांग पत्र भी सौंपा। कार्यक्रम में ग्राम के वरिष्ठ भाजपा नेता प्रहलादसिंह चैयरमेन,मंडल अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह ठाकुर, सरपंच सवित्रा बाई राधेश्याम मंडलोई, मानसिंह ठाकुर, महेंद्रसिंह गऊखेड़ी, भेरूसिंह ठाकुर ग्राम सेवक, कमलसिंह, मुकेश वर्मा, हरेंद्रसिंह ठाकुर,लखन वर्मा सहित बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मंडल के पदाधिकारी, ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

प्रभु जिसे पकड़ लेते हैं फिर छोड़ते नहीं हैं: पं. तिवारी

हरिभूमि न्यूज ►► सीहोर

सोमवार रात हिंगलज माता मंदिर करन्बा में भावभार समाज महिला मंडल के द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएँ और गिरिराज पूजन छप्पन भोग प्रसंग सुनाते हुए भागवत भूषण पंडित रवि शंकर तिवारी ने श्रद्धालुओं के समक्ष कहा कि प्रभू जिसे पकड़ लेते है फिर छोड़ते नहीं है और भगवान के समक्ष छल कपट किसी का चलता नहीं है। राक्षसी सूपनखा ने भगवान श्रीराम के समक्ष और पूतना ने भगवान कृष्ण के समक्ष रूप बदलकर छल कपट किया था प्रभू ने सूपनखा को दंड दिया था और पूतना के प्राण हर लिए थे। परमात्मा के स्पर्श से असुर दानव भी मौक्ष प्राप्त करते है। भक्त के लिए भगवान हमेशा तत्पर रहते है। यशोदा के लाल का नामकरण गर्गाचार्य ने गौशाला में किया था भगवान का नाम कृष्ण रखा था भगवान गौ प्रेमी थे अब आधुनिक लोग बच्चों का नामकरण होटल में कर रहे है जिस से बच्चे बाटल प्रेमी हो रहे है। भागवत भूषण पंडित रवि शंकर तिवारी ने कहा कि यशोदा के घर में नौ लाख गाय थी इस लिए गांव को गोकुल कहा जाता था अब गांवों में



भी गाय पालना मुश्किल हो गया है शहरों में गाय सड़कों पर विचारण कर रही है। गाय के नाम पर देश में सबकुछ हो रहा है किंतु गाय को बचना मुश्किल हो गया है गाय को सनातनियों के लिए राष्ट्रीय पशु घोषित करना चाहिए। बाल लीलाएँ सुनाते हुए तिवारी ने कहा कि भगवान बाल गोकुल गोकुल के घरों में गोपियों के यहा माखन खाते नहीं है केवल चुराते है और मटकियां फोड़ते

है और माखन मित्रों को खिलाते है। पदमावति की कथा सुनाते हुए तिवारी ने कहा कि पदमा के घर में कन्हैया ने जैसे ही माखन खाते घंटियां बज उठती है भगवान ने घंटियों को नहीं बचने के लिए निर्देशित किया था लेकिन कन्हैया के माखन चखते ही घंटियां बचने लगती है घंटियां कहती है की प्रभू माखन प्रसाद खाए और घंटियां नहीं बचे या हो नही सकता है

मुंह पर काली पट्टी बांधकर कांग्रेस ने मौन धरना दिया

देवास। विगत दिनों प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर में एक कार्यक्रम के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया, जिससे पूरे प्रदेश के कांग्रेस जनों में रोष व्याप्त हो गया। इस घटना के बाद कांग्रेस जनों ने निर्णय लिया कि मुख्यमंत्री का पुतला जलाया जाएगा, जब यह सूचना प्रदेश अध्यक्ष पटवारी को लगी तो उन्होंने तत्काल कांग्रेस जनों को निर्देश दिए की हम महात्मा गांधी की पार्टी के कार्यकर्ता है और हम इस तरह का काम नहीं करेंगे बल्कि आप गांधीवादी व लोकतांत्रिक तरीके से अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त करें।

शासकीय विद्यालय में चल रहे समर कैंप का समापन, दिए प्रमाण-पत्र

हरिभूमि न्यूज ►► खाचरोट

पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खाचखेड़ा जत्रा में शासन की योजना अनुसार दिनांक 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक समर कैम्प निमित्त आयोजित हुआ। जिसमे बच्चो ने भाग लेकर कर कंप्यूटर बेसिक ज्ञान, गेम्स, चित्रकला जैसी अन्य गति विधियों में भाग लेकर ज्ञान वर्धन किया। जिसमे पवन कुमार शर्मा, राजेश बड़वान सहयोगी रहे। साथ ही अनूपमालवीय (आईटी, आईटीएस), सोनिया सिंह (ब्यूटी वेलेनेस) द्वारा समर कैम्प में सहयोग दिया गया। समर कैंप का समापन मंगलवार को विद्यालय परिसर में किया गया। संस्था प्राचार्य कल्याण सिंह ठाकुर द्वारा बच्चो को समर कैंप के बारे में रोचक जानकारी दी। और बच्चों को अभिप्रेरित किया। संस्था में संचालित आईटी और ब्यूटी व्यवसाई पाठ्यक्रम से सभी बच्चों ने बहुत कुछ सीखा।



संस्था प्राचार्य और सभी स्टाफ ने बच्चो की सराहना कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित कर सभी सहभागी बच्चों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रमाणपत्र वितरण किए गए। इस मौके पर संस्था प्राचार्य कल्याण सिंह ठाकुर, ओमप्रकाश गुणवान पूर्व सरपंच बहादुर सिंह ठाकुर पीटीए अध्यक्ष शिक्षक विनोद धारवा, राजेंद्र शर्मा, रामचंद्र मालवीय, हरिकुवर मालवीय, गंगाराम चौहान बाबूजी, करण सिंह चौहान (जन शिक्षक) संदीप शर्मा। भ्रत्य विनोद मालवीय उपस्थित थे।

गरीब किसान की बेटी की हुई सफल सामान्य प्रसव से डिलीवरी, दोनों स्वस्थ

हरिभूमि न्यूज ►► सीहोर

ग्राम छापरी निवासी किसान गुलाब सिंह मेवाड़ा की बेटी सुचिता मेवाड़ा, पत्नी जितेंद्र मेवाड़ा, की



डिलीवरी को लेकर परिवार पिछले कई दिनों से चिंतित और परेशान था। परिजनों के अनुसार गर्भवती महिला को पहले शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां चिकित्सकों ने रक्त की कमी एवं प्रसव में संभावित जटिलताओं का हवाला देते हुए उन्हें भोपाल रेफर कर दिया था। परिवार को बताया गया था कि महिला की डिलीवरी ऑपरेशन के माध्यम से ही संभव होगी। आर्थिक रूप से साधारण किसान परिवार के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक थी।

इसी दौरान किसान ने अपनी समस्या क्षेत्र के किसान एवं समाजसेवी एम.एस. मेवाड़ा को बताई। उनके प्रयासों से गर्भवती महिला को सीहोर स्थित साई सेवा अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में लगभग पांच दिनों तक चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की निगरानी में महिला का उपचार किया गया। अस्पताल प्रबंधन ने

परिजनों को भरोसा दिलाया कि मरीज और शिशु के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी तथा आवश्यकतानुसार सुरक्षित प्रसव कराया जाएगा। चिकित्सकों और स्टाफ के निरंतर प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया और महिला ने सामान्य प्रसव (नॉर्मल डिलीवरी) के माध्यम से एक स्वस्थ पुत्र को जन्म दिया। बच्चे के जन्म की खबर मिलते ही परिवार सहित आसपास के ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर ग्राम छापरी, चंदेरी, सेवनिया सहित आसपास के कई गांवों से ग्रामीण एवं किसान सीहोर पहुंचे। उन्होंने अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एच.डी. सक्सेना, डॉ. विवेक सक्सेना, डॉ. श्रेष्ठ सक्सेना तथा नर्सिंग स्टाफ का फूल-मालाओं, गुलदस्तों एवं मिठाइयों के साथ सम्मान किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया।